MPA

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए.

जुलाई 2015 और जनवरी 2016 सत्र के सत्रीय कार्य
(एम.ए. प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

एम.ए. प्रथम वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

एम.ए. (लोक प्रशासन) कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक–एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

प्रस्तुतीकरण :

एम.ए. प्रथम वर्ष में उपलब्ध सभी चारों पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल हैं। आपसे अनुरोध है कि आप सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा करा दें ताकि आप सत्रांत परीक्षा दे सकें।

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए–011, एम.पी.ए–012, एम.पी.ए–013 और एम.पी.ए–014 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)	**जुलाई 2015 सत्र के लिए 31 मार्च 2016** **जनवरी 2016 सत्र के लिए 30 सितंबर 2016**	**अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को**

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. ई. वायुनंदन और प्रो. अलका धमेजा
कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.पी.ए–011 : राज्य, समाज और लोक प्रशासन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–011
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-11/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015–2016
अंक: 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. राज्य के स्वरूप के संदर्भ में नव–उदारवादी परिप्रेक्ष्य पर एक टिप्पणी लिखिए।

2. राज्य और समाज के बारे में एफ.डब्ल्यू. रिग्स के विचारों का उल्लेख कीजिए।

3. 'नागरिक और प्रशासन अंतर्संबंधों के लिए कई संस्थागत साधन और कार्यनीतियाँ हैं।' टिप्पणी कीजिए।

4. 'स्वराज' और राज्य के सिद्धांत के बारे में गांधीवाद परिप्रेक्ष्य का वर्णन कीजिए।

5. समय के साथ–साथ सहभागिता के प्रतिमान किस प्रकार बदले हैं?

भाग–II

6. नागरिक समाज संगठनों की अवधारणा और प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।

7. संगठन में सूक्ष्म और व्यापक स्तरों पर संघर्ष का समाधान कैसे किया जाता है?

8. वैश्वीकरण के युग में राज्य के बदलते स्वरूप की चर्चा कीजिए।

9. भारत में सुशासन प्रयासों का विवेचन कीजिए।

10. 'नैतिक उत्तरदायित्व के मार्ग में कई बाधाएँ हैं।' व्याख्या कीजिए।

एम.पी.ए–012 : प्रशासनिक सिद्धांत
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–012
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-12/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015–2016
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. लोक प्रशासन के स्वरूप की चर्चा कीजिए और सरकारी तथा निजी प्रशासन में अंतर स्पष्ट कीजिए।

2. प्रशासनिक सिद्धांत के विकास और प्रगति पर प्रकाश डालिए।

3. मैक्स वेबर द्वारा प्रतिपादित प्राधिकार के विभिन्न प्रकार कौन से हैं?

4. साइमन द्वारा बताए गए निर्णयन व्यवहार और संगठनात्मक प्रभाव के मॉडलों का विश्लेषण कीजिए।

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10

   (क) संगठन की विशेषताएँ
   (ख) हॉथोर्न अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष

भाग–II

6. प्रबंधन प्रक्रिया में 'एक्स' और 'वाई' सिद्धांत की मान्यताओं की चर्चा कीजिए।

7. संगठनात्मक संस्कृति के अर्थ और घटकों की चर्चा कीजिए।

8. 'नवीन लोक प्रशासन मानवीय है, जबकि नव–सार्वजनिक प्रबंधन बाजार–केंद्रित है।' चर्चा कीजिए।

9. प्रशासनिक सिद्धांतों पर भूमंडलीकरण के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10

    (क) लोक प्रशासन में समीक्षात्मक सिद्धांत की प्रासंगिकता
    (ख) संगठन के प्रबंधन में आधुनिक प्रवृत्तियाँ

एम.पी.ए–013 : सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–013
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-13/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015–2016
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन के स्वरूप और कार्य–क्षेत्र पर एक टिप्पणी लिखिए।

2. भारत में सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन के राजनीतिक माहौल के गतिशील स्वरूप का विश्लेषण कीजिए।

3. शासन के प्रासंगिक प्रयोग पर प्रकाश डालिए।

4. नौकरशाही और राजनीतिक कार्यपालिका के बीच संबंधों के बदलते स्वरूप का विवेचन कीजिए।

5. अंतःसरकारी संबंधों के विभिन्न प्रारूपों की चर्चा कीजिए।

भाग–II

6. शून्य आधारित बजट प्रणाली की अवधारणा और चरणों की व्याख्या कीजिए।

7. परियोजना प्रबंधन के साधनों और तकनीकों का वर्णन कीजिए।

8. प्रबंधन सूचना प्रणाली के विकास और ढाँचे की चर्चा कीजिए।

9. सामूहिक निर्णय तकनीकों पर एक टिप्पणी लिखिए।

10. संगठनों में परिवर्तन प्रबंधन के कार्य–प्रारूप के प्रमुख घटकों पर प्रकाश डालिए।

एम.पी.ए–014 : मानव संसाधन प्रबंधन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–014
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-14/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015–2016
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. मानव संसाधन विकास को परिभाषित कीजिए और इसके उद्देश्यों की चर्चा कीजिए।

2. कार्य विश्लेषण के लिए आँकड़े एकत्र करने के विभिन्न तरीकों की चर्चा कीजिए।

3. 'प्रतिभाग सुनिश्चित करने की कई पद्धतियाँ हैं।' चर्चा कीजिए।

4. कर्मचारी लाभ पर एक टिप्पणी लिखिए।

5. पुनःदक्षता के अर्थ, महत्व और प्रक्रिया की चर्चा कीजिए।

भाग–II

6. प्रबंधन विकास के विभिन्न उपागमों की चर्चा कीजिए।

7. क्षमता निर्माण के उद्देश्य, सार्थकता और प्रक्रिया की चर्चा कीजिए।

8. 'कार्य संबंधी समस्याओं का समाधान करना गुणवत्ता वर्ग की सबसे अधिक महत्वपूर्ण गतिविधि है।' चर्चा कीजिए।

9. 'विवादों को विभिन्न तरीकों से सुलझाया जा सकता है।' चर्चा कीजिए।

10. परिवर्तन के प्रमुख उपागमों की व्याख्या कीजिए।